ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–५०
दिनांक– शुक्रवार, ३० जून, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.8 एवं 24.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 80 प्रतिशत, हवा की औसत गति 11.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.9 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 2.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.2 एवं दोपहर में 32.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 59.8 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(01–05 जुलाई, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 01–05 जुलाई, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों के आसमान में मानसून के मध्यम से घने बादल छाये रह सकते है। अगले 1–2 दिनों तक उत्तर बिहार के जिलों में हल्कीं वर्षा हो सकती है। हलाकि उसके बाद अच्छी वर्षा होने की सम्भावना में वृद्धि हो सकती है तथा अनेक स्थानो पर मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। 04–05 जुलाई के आसपास कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा भी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 29–32 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 23–25 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।

• समसामयिक सुझाव

- उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर पिछले एक–दो दिनों में अच्छी वर्षा हुई है तथा पूर्वानुमान की अवधि में भी वर्षा की संभावना को देखते हुए धान की रोपाई हेतु, किसान भाई वर्षा जल का संग्रह खेत में करने के लिए मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें।
- पिछले दिनों में उत्तर बिहार में बारिश हो रही है और आगे भी वर्षा की सम्भावना है। किसानों को बारिश के पानी का उपयोग कर निचली और मध्यम भूमि में अपने धान की रोपाई करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें। यदि मिट्टी जाँच नहीं कराया गया हो तो मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए 30 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाश के साथ 25 किलोगाम जिंक सल्फेट या 15 किलोग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- जो किसान भाई धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य जल्द से जल्द सम्पन्न अवश्य कर लें। धान की अगात किस्में जैसे–प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत–4,राजेन्द्र भगवती एवं राजेन्द्र नीलम उत्तर बिहार के लिए अनुषसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800–1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25–1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को बविस्टिन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से मिलाकर बीजोपचार करें। जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें।
- खरीफ मक्का की सुआन, देवकी, शक्तिमान–1, शक्तिमान–2, राजेन्द्र संकर मक्का–3, गंगा–11 किस्मों की बुआई अतिशीघ्र संपन्न करें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद, 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाश का व्यवहार करें। इसके लिए प्रति किग्रा0 बीज को 2.5 ग्राम थीरम द्वारा उपचारीत कर बुआई करें। बीज दर 20 किग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें।
- अरहर की बुआई के लिए उचाँस जमीन की तैयारी करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो स्फुर, 20 किलो पोटाश तथा 20 किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेद्र अरहर 1, मालवीय–13, राजेन्द्र अरहर–1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुषसित है। बीज दर 18–20 किलो प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- जो किसान भाई खरीफ प्याज का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, उथली क्यारिओं में यथाशीघ्र नर्सरी गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन0–53, एग्रीफाउण्ड डार्क रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज को कैप्टान या थीरम/ 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। पौधशाला को तेज धूप एवं वर्षा से बचाने के लिए 40: छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें। कीट–व्याधियों से नर्सरी की निगरानी करते रहें।
- पशु चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई करें।
- उचॉस जमीन में बरसाती सब्जियाँ जैसे– भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई करें। गरमा सब्जियों की फसल में कीट–व्याधियों की निगरानी करते रहें।

आज का अधिकतम तापमानः 29.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 23.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)